



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

वर्ष-14 अंक-288 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) बुधवार 30 सितम्बर 2026 youngbharatepaper.com

जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही पर तय होगी जवाबदेही, होगी कड़ी कार्रवाई



(यंग भारत न्यूज)
गोरखपुर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित प्रकल्प जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात की. गंभीरता से उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता और संवेदनशील तरीके से किया जाए.एक्शन में योगी: जनसमस्या के निदान में किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय करते हुए संबंधित के



विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी. ये बातें सीएम योगी ने सख्त लहजे में कही. जनता परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति दर्शन में कितने लोग: गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं. उन्होंने करीब 150 लोगों से मुलाकात की. उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि घबराइए मत, समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा.

सबके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को सौंपते हुए त्वरित समाधान के निर्देश दिए. अधिकारियों को न्याय का ख्याल रखने का निर्देश: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए. हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाने हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए. उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं. उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए.

आर्थिक मदद का भरोसा: सीएम योगी के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे. सीएम योगी ने उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को देते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए. गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सरकार भरपूर मदद उपलब्ध कराएगी. गौशाला में की गौसेवा: गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह जनता दर्शन लगाकर जनसेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर की गौशाला में जाकर गौसेवा भी की. उन्होंने गायों, गौवंश और नंदी को खूब दुलारा. गुड़ खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को गौवंश के समुचित देखभाल के निर्देश दिए.

भाजपा ने अशोक राठौर को इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी पद के लिए नाम घोषित किया

(यंग भारत न्यूज)
कालपी, (जालौन)
इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य पद के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अशोक कुमार राठौर को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। प्रत्याशी के नाम की घोषणा होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।



पूर्व सभासद अरविंद सिंह राठौर, सविता समाज नगर अध्यक्ष लालता प्रसाद ओमरे, विवेक कुमार प्रणामी, सुमित प्रणामी ने कहा कि चिकित्सकों, शिक्षकों एवं स्नातक मतदाताओं के व्यापक समर्थन से भाजपा

प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर को सफलता मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। शिक्षक पेशे से जुड़े अशोक राठौर तमाम संस्थाओं के प्रबंधक हैं तथा जनपद जालौन तथा आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा की अलग जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। पिछली बार भी वह चुनौती लड़े थे लेकिन मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था।

घर से उठाया, गैंगरेप किया. फिर पीड़िता के प्राइवेट पार्ट में डाले पत्थर, लकड़ी के टुकड़े और गोली

(यंग भारत न्यूज)
हाथरस, निर्धया गैंगरेप जैसे मामलों ने देश को हिलाकर रख दिया था. अब एक ऐसा ही मानवता को शर्मसार करने वाला बिकर के बेगुसराय से सामने आया है, जहां एक महिला के साथ 5 युवकों ने गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया. इसके बाद पीड़िता के इलाज के दौरान पता चला कि उसके प्राइवेट पार्ट में जिंदा गोली, पत्थर और लकड़ी के टुकड़े डाले गए हैं. इससे पता चलता है कि महिला के साथ किस कदर क्रूरता की गई है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये घटना चक्रिया पुलिस स्टेशन में 11 जून को घटी. महिला अपने घर से शौचालय के लिए निकली थी. तभी 5 युवक उसके घर में घुस गए. उन्होंने उसके पति को एक कमरे में बंद कर दिया और महिला के भी हाथ-पैर बांध दिए. फिर वो उसे एक सुनसान जगह पर ले गए और उसके साथ गैंगरेप किया. महिला ने जब शोर मचाने की कोशिश की तो हैवानों ने उसके चेस्ट और थाई पर ब्लेड से वार दिए. वारदात के बाद आरोपी महिला को उसी हालत में उसके घर के पास फेंककर फरार हो गए. पीड़िता ने बताया कि रात करीब 11:30 बजे वो शौचालय के लिए गई थी, तभी 5 लोग जबरदस्ती उसके घर में घुस गए और उसके पति को एक कमरे में बंद कर दिया, जब वो बाहर आई, तो उन्होंने उसका मुंह भी बांध दिया. उसने बताया कि हमलावर उसे उसके घर के बाहर एक सुनसान जगह पर ले गए और उसके साथ गैंगरेप किया, जब उसने शोर मचाने की कोशिश की, तो



उन्होंने ब्लेड से उसकी छाती और जांच पर वार कर दिए. फिर उसे घर के पास फेंककर फरार हो गए. इसके बाद पीड़िता को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया गया. फिर हालात ठीक देखकर डॉक्टरों ने पीड़िता को डिस्चार्ज कर दिया गया, लेकिन महिला की हालत सही नहीं थी. उसे लगातार पेट दर्द की समस्या हो रही थी. ऐसे में वो एक हफ्ते बाद फिर से अस्पताल गईं. डॉक्टरों ने पीड़िता का अल्ट्रासाउंड किया तो

महिला के प्राइवेट पार्ट्स में जिंदा गोली, पत्थर और लकड़ी के टुकड़े पाए गए. अब पीड़िता अस्पताल में भर्ती हैं और उसका इलाज जारी है. उसे डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है. डॉक्टरों ने आशंका जताई है कि वारदात के बाद जब महिला बेहोशी की हालत में रही होगी, तब आरोपियों ने ये धिनीनी हरकत की होगी. ये भी आरोप है कि महिला ने डॉक्टरों से बार-बार दर्द की शिकायत की थी, लेकिन डॉक्टरों ने ये कहा कि दुष्कर्म हुआ है तो दर्द तो होगा ही, धीरे-धीरे ही कम होगा. महिला 2 बार अस्पताल गईं, लेकिन दोनों बार डॉक्टरों ने कहा कि सब नॉर्मल है. फिर जब पीड़िता से दर्द सहन नहीं हुआ तो उन्होंने थानाध्यक्ष से शिकायत की. चक्रिया थानाध्यक्ष ने उन्हें सदर अस्पताल में इलाज कराने के लिए कहा, वो सदर अस्पताल पहुंची और जांच हुई तो इस बबरता का पता चला.

इधर पुलिस ने मामले की जांच और तेज कर दी है. ये खबर आप विवेक समाचार में पढ़ रहे हैं। एसपी मनीष कुमार ने बताया कि मामले की जांच के लिए हाइड्रू का गठन किया गया है. ये घटना 11 जून की रात की है. 13 जून को पीड़िता की ओर से द्धदह दर्ज कराई गई. इसमें महिला ने पड़ोस में रहने वाले 3 नामजद और 2 अज्ञात के खिलाफ केस किया था. पीड़िता के आरोप के आधार पर उनका मेडिकल कराया गया. मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है. बेगुसराय एसडीपीओ-वन आनंद पाण्डेय ने बताया कि पीड़िता, उनके पति और डॉक्टरों से लगातार पूछताछ की जा रही है.

पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल की राजनीति में दस्तक : ‘80 साल की आज़ादी और ‘बेआवाज़’ लोगों का हिसाब चाहिए !

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: देश की सबसे बड़ी प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देने के बाद पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल ने सर्वेसर्प से पर्दा उठाते हुए राजनीति में उतरने की बात कही. सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने अपने आगे की रणनीति साझा की है. सीधे तौर पर किसी पार्टी के साथ राजनीति में न जुड़कर लोगों की राय के साथ राजनीति में प्रवेश करने की बात पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल ने कही है. उन्होंने साफ किया कि हम 80 साल का हिसाब मांगेंगे. हमें राजनेता नहीं बदलना है, राजनीति बदलनी है. उन्होंने लोगों को अपना व्हाट्सएप नंबर भी दिया है और सुझाव मांगे हैं. साफ तौर पर कहा कि उत्तर प्रदेश मेरी कर्मभूमि है और यहीं से शुरुआत होगी. ऐसे में कयास लगाए जा सकते हैं कि एक और पूर्व नौकरशाह अपनी नई राजनीतिक पार्टी बना सकती हैं.

सोशल मीडिया एक्स पर जारी अपने वीडियो संदेश में दिव्या मित्तल ने कहा कि अभी मैंने कुछ दिन पहले आईएएस से इस्तीफा दिया और आप लोगों के मन में कई सवाल छोड़ दिए कुछ दिनों तक जवाब नहीं दिया. क्योंकि काम बड़ा था और मैं हौसला जुटा रही थी. आज उन सवालों के जवाब देने आई हूं. आगे क्या, किसके साथ और कहाँ से ? पहला सवाल आगे क्या, राजनीति ? लोगों ने मुझे कहा कि सब कुछ तो बन गई अब क्या बनना है ? मुझे



लिखा कि मैं रात के अंधेरे में एक दूसरी बड़ी पार्टी के बड़े नेता से मिलने गईं. वह मुलाकात कभी नहीं हुई थी. यह बात लिखने वाले को भी पता थी, परंतु उद्देश्य सच लिखना नहीं था. उद्देश्य था कि एक औरत जो सवाल पूछने निकली है उसको पहले दिन ही डरा दो. यही तो यह लोग करते हैं. किसी पर एफआईआर के हारे डराते हैं. किसी को ट्रेल करके बिठा दो, ताकि अच्छे लोग राजनीति में न आएँ. उनकी ऐसे ही राजनीति चलती रहे. हमें इसी को बदलना है, इसीलिए मैं डरूंगी नहीं. मैं सवाल

पूछूंगी ताकि हर देश की छोटी बच्ची अपने मन की बात कह सके और उसे रात के अंधेरे का डर न दिखाया जा सके.पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल ने कहा कि जिन लोगों ने उस दिन मेरा समर्थन किया है उन्हीं के साथ एक ऐसा मंच बनाएंगे जो डरेगा नहीं. वह सिर्फ डरेगा तो देश के भविष्य के लिए, सवाल यह भी है कि डर नहीं है तो ठीक है, पैसा भी तो नहीं है. बाहुबल भी तो नहीं है. जाति धर्म का समीकरण भी तो नहीं है. तीनों बातें सही हैं. जो पैसा चुनाव में बहाया जाता है वह कहाँ से आता है ? वह हमारी

सड़क से आता है. हमारे पुल से आता है. हमारे स्कूल से आता है. मुझे वह पैसा नहीं, मुझे वह सड़क ही चाहिए. यह बाहुबल जो जनता के ऊपर दिखाया जाता है मुझे वह बाहुबल नहीं चाहिए। मुझे लोगों से बनी हुई वह शक्ति चाहिए. जो लोगों के लिए हो, लोगों की ही हो. जाति, धर्म का समीकरण इसलिए नहीं है क्योंकि मैंने कभी बैठाया नहीं. जब मैं अधिकारी थी तब न्याय करने से पहले मैंने किसी का नाम नहीं पूछा. 80 सालों तक इन्होंने तो समीकरण ही बिठाया, साथ में देश भी बैठा रह गया. इस तरह की राजनीति कैसे शुरू होगी, कैसे खड़ी होगी और कैसे चलेगी, यह हम लोग साथ मिलकर तय करेंगे. अब तीसरा सवाल कहाँ से ? मैं यहाँ अफसर बनकर आई थी, पर यहाँ के लोगों ने मुझे अपनी बेटी बना लिया. सर पर हाथ रख घर का खाना हिखलाया. जब थकी तो संभाला. गुरु वह होता है जो हमें हमसे मिलवाता है. यहाँ की मिट्टी ने मुझे सिखाया कि मैं कौन हूँ और किसके लिए हूँ. उत्तर प्रदेश की मिट्टी ही मेरी कर्मभूमि है और इसीलिए शुरुआत यहीं से उत्तर प्रदेश से करूंगी. उत्तर प्रदेश ने तो हमेशा राह दिखाई है. आजादी की चिंगारी सबसे पहली बार उत्तर प्रदेश से ही शुरू

हुई और आज भी मैंने देखा कि लोग सही के साथ जुड़ते हैं. जो काम अफसर भी नहीं कर पाते वो लोग करके दिखाते हैं. देवरिया में ऑपरेशन कब्जा मुक्ति के दौरान लोगों ने खुद सरकारी जमीनों से अपने कब्जे छोड़ें. आज मैं उन्हीं लोगों से कहती हूँ हम 80 सालों से किसी नेता किसी मसीहा का इंतजार कर रहे हैं और कोई नहीं आया, क्योंकि जिसका हमें इंतजार था वह हम खुद हैं, इसलिए मैं आपसे कह रही हूँ मुझ पर भरोसा मत करिए. अपने आप पर भरोसा करिए. मैं आपको बुला रही हूँ. शिक्षक को, डॉक्टर को, किसान को, मजदूर को, वकील को, छात्र को और उस माँ को जिसको अपने बच्चों के सुनहरे कल की चिंता है. नई राजनीति को एक आदमी नहीं बना सकता उसमें तो सबका साथ लगेगा. उनका भी जो बात को आगे बता सकें. उनका जो अपने गांव कस्बे में उसको खड़ा कर सकें. उनका भी जो लोगों के सामने खुद आत्मविश्वास से खड़े हो सकें. दिव्या मित्तल ने लोगों से अपील की है कि मेरे व्हाट्सएप नंबर 9198 956 957 पर मैसेज करके मेरे साथ जुड़े और एक दिन ऐसा आएगा जब कोई आदमी अपने कागज एक पन्नी में लपेटकर सरकारी दफ्तर जाएगा तो बिना किसी सिफारिश और बिना किसी फोन के उसकी सुनवाई होगी. घर आकर वह अपने बेटे से कहेगा, बेटा आज मेरे साथ न्याय हुआ है. बेटा कहेगा इसमें नया क्या है. उसे याद होगा कि उस पन्नी का हिसाब किस दिन मांगा गया था, चलिए हिसाब मांगते हैं.

आने देने के लिए कहा था। शालू ने कहा
‘मैंने बस ये बोला था कि मेरा स्टाफ अ
रहा है, उसको आने दीजिएगा बस। इसमें
अलावा मेरे स्टाफ की नीचे कोई गारंटी
बात नहीं हुई थी. उन्होंने जिस नाम से एं
करी. बस मैंने ये जरूर कहा था कि मे
स्टाफ आ रहा है, उसको आने दीजिएगा.
जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने
रजिस्टर में एंटी नहीं करने को कहा था, त
उन्होंने इसे पूरी तरह खारिज किया. शा
बोलीं, ‘बिल्कुल नहीं. ये झूठ है, मैं
बिल्कुल झूठ है. मैंने ऐसा बिल्कुल न
कहा था कि उसकी एंटी मत करिएगा.
उन्होंने यह भी बताया कि किसी के आ
पर रजिस्टर में एंटी होती है।

जालौन में चुनावी सरगर्मी तेज, तीन सीटों पर बदलते समीकरणों का इम्तिहान

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़-विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही जिले की सियासत में हलचल तेज हो गई है। चुनाव लड़ने के इच्छुक दावेदार जहां अपनी-अपनी राजनीतिक गोटियां बिछाने में जुट गए हैं, वहीं प्रमुख राजनीतिक दल भी मतदाताओं को साधने के लिए मुद्दों और रणनीतियों को धार देने में लगे हैं। सत्तारूढ़ भाजपा जहां हिंदुत्व, धार्मिक मुद्दों और अपने कार्यकाल के विकास कार्यों को लेकर मैदान में उतरने की तैयारी में है, वहीं मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी पीडीए और कथित ‘वोट चोरी’ जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा को घेरने की कोशिश में है।

इन राजनीतिक दावों और मुद्दों के बीच जालौन के मतदाताओं का रुख किस ओर जाएगा, फिलहाल यह कहना मुश्किल है। ऐसे 2022 के विधानसभा चुनाव में जिले की तीनों सीटों में से उरई-जालौन और माधौगढ़ पर भाजपा ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की थी, जबकि कालपी सीट समाजवादी पार्टी के खाते में गई थी। हालांकि बाद में राज्यसभा चुनाव के

पितृपक्ष में पितरों के तर्पण को उमड़ रहे श्रद्धालु,नदी तटों व पोखरों पर बड़ी चहल-पहल पितृपक्ष में पूर्वजों के निमित्त तर्पण और पिंडदान कर रहे श्रद्धालु

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़(जालौन) पितृपक्ष के चलते इन दिनों नगर व क्षेत्र में पितरों के प्रति श्रद्धा और आस्था का माहौल बना हुआ है। श्रद्धालु अपने दिवंगत पूर्वजों की आत्मशांति के लिए नदी तटों,पोखरों व घरों सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म कर रहे हैं। सुबह के समय धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही भी बढ़ गई है।

सनातन परंपरा में पितृपक्ष को पूर्वजों के स्मरण और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का विशेष अवसर माना जाता है। लोग अपने पूर्वजों की श्राद्ध तिथि के अनुसार विधि-विधान से श्राद्ध कर्म करते हैं। इसके साथ ही तर्पण, पिंडदान और जरूरतमंदों को भोजन व अन्य सामग्री दान करने की परंपरा भी निभाई जाती है। माधौगढ़ क्षेत्र में नदी तटों पर पहुंचने वाले श्रद्धालु स्नान के बाद पितरों के निमित्त तर्पण और अन्य धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। परिवार के दिवंगत सदस्यों को याद करते हुए लोग उनकी आत्मशांति और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। पितृपक्ष के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं। मान्यता के अनुसार इस अवधि में श्रद्धा के साथ किए गए श्राद्ध, तर्पण और दान का विशेष महत्व है। इसके चलते पितृपक्ष के शेष दिनों में भी धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही जारी है। बहुत से लोग घर पर तर्पण करते हैं।

भारी बारिश और आंधी से फसलों को नुकसान, मुआवजे की मांग को लेकर बसपा ने सौंपा ज्ञापन राजस्व विभाग से फसल क्षति का सर्वे कराकर किसानों को शीघ्र आर्थिक सहायता देने की मांग



उरई (जालौन) पिछले दिनों हुई अति भारी बारिश एवं आंधी तूफान से किसानों की खरीफ की फसलों को हुए नुकसान का मुआवजा दिलाए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष डा. बृजेश जाटव के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि बारिश और तेज हवाओं से प्रभावित क्षेत्रों में राजस्व विभाग की टीमों से तत्काल सर्वे कराया जाए तथा फसल क्षति का आकलन कर पीड़ित किसानों को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। बसपा नेताओं ने कहा कि बीते दिनों हुई भारी बारिश एवं आंधी-तूफान के कारण किसानों की खरीफ की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। ज्वार, बाजरा, धान, उर्द और तिल सहित कई फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। वहीं, बारिश के कारण गरीब मजदूरों के कच्चे मकान भी धराशाई हुए हैं, जिससे उन्हें भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने मांग की कि फसल क्षति के साथ-साथ कच्चे मकानों के नुकसान का भी सर्वे कराया जाए और प्रभावित किसानों व मजदूरों को शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके। ज्ञापन देने वालों में माधौगढ़ विधानसभा प्रत्याशी आशीष पांडेय, कालपी विधानसभा प्रत्याशी वीरपाल सिंह चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष संजय गौतम, रामसनेही बाबू जी, कौरत सिंह दोहरे, रामऔतार यादव, उदय दिलावा, शैलेन्द्र शिरोमणि, राजेश जाटव, अमित भारती, भावती शरण पांचाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

2022 में सपा के विनोद चतुर्वेदी ने 69,782 वोट हासिल कर भाजपा-निषाद गठबंधन के प्रत्याशी छोटे सिंह को महज 2,816 वोटों के अंतर से पराजित किया था। अब राजनीतिक परिस्थितियां बदल चुकी हैं और विनोद चतुर्वेदी के भाजपा के साथ आने से आगामी चुनाव में पुराने समीकरण किस रूप में बदलते हैं, यह महत्वपूर्ण होगा।

कालपी का कागज उद्योग भी चुनावी मुद्दा बन सकता है। कभी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की पहचान रहा यह उद्योग चाइनीज माल से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सरकारी सुविधाओं की कमी के बीच लगातार कमजोर हुआ है। कई फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं या गेस्ट हाउस में तब्दील हो गई हैं। उद्यमियों की शिकायत है कि उन्हें बिजली बिल में अपेक्षित राहत नहीं मिलती और बैंक ऋण की उपलब्धता भी आसान नहीं है। कालपी में इस बार सवाल सिर्फ सत्ता का नहीं, बल्कि पुराने राजनीतिक समीकरणों के नए सिरे से बनने का भी है।

माधौगढ़ विधानसभा : पिछड़ेपन

और जातीय राजनीति के बीच चुनाव

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। नगर क्षेत्र में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बंदरों के झुंड आए दिन लोगों पर हमला कर रहे हैं, जिससे नगरवासियों में भय का माहौल बना हुआ है। बुधवार शाम मालवीय नगर निवासी विवेक कुमार गुप्ता के 9 वर्षीय पुत्र दीपांशु गुप्ता पर एक बंदर ने हमला कर दिया। बंदर ने बच्चे के गले पर काट लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक नगर के विभिन्न मोहल्लों में बंदरों के झुंड लगातार घूमते रहते हैं। ये बंदर घरों की छतों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर लोगों को परेशान करने के साथ ही अचानक हमला भी कर देते हैं। विशेष रूप से बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग इनके हमलों का आसान निशाना बन रहे हैं। बंदरों के बढ़ते आतंक के

जर्जर बिजली तारों और टूटे खंभों से हादसे का खतरा ग्रामीणों ने केबल व विद्युत पोल बदलवाये जाने की मांग उठाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। विकासखंड डकोर की ग्राम पंचायत बरहा जालौन में जर्जर विद्युत तारों और टूटे-क्षतिग्रस्त खंभों के कारण ग्रामीणों में हादसे की आशंका बनी हुई है। ग्राम प्रधान एवं जिला पंचायत प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर विद्युत व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के खेतों और रिहायशी इलाकों के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार लंबे समय से जर्जर हालत में हैं। कई स्थानों पर विद्युत खंभे क्षतिग्रस्त होकर टूटे पड़े हैं, जिससे आए दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है। वर्तमान में खेतों में धान की फसल तैयार खड़ी है और कुछ ही दिनों में फसल पककर कटाई के योग्य हो जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि खुले एवं जर्जर तारों से अक्सर स्पाकिंग होती है, जिससे सूखी फसल में आग लगने का गंभीर खतरा बना हुआ है। यदि समय रहते विद्युत व्यवस्था ठीक नहीं की गई तो किसानों की महीनों की मेहनत और फसल आग की भेंट चढ़ सकती है।

पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी से अतिशीघ्र जर्जर विद्युत तारों को हटवाकर उनके स्थान पर बंच केबल (एबी केबल) डलवाने तथा टूटे और क्षतिग्रस्त विद्युत खंभों को बदलवाकर नए खंभे लगवाने के लिए संबंधित विद्युत विभाग को निर्देशित करने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने कहा कि विद्युत व्यवस्था सुरक्षित होने से किसानों की फसल के साथ ही ग्रामीणों की जान-माल की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में रिश्वतखोरी का आरोप, डीएम से जांच की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कालपी तहसील क्षेत्र के ग्राम चुर्छी निवासी शिवदास पुत्र स्व. हरदयाल ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की पात्रता सूची में कथित गड़बड़ी और रिश्वतखोरी की जांच कराने की मांग की है।

शिवदास ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत चर्छी में ग्रामीण आवास योजना के पात्र लाभार्थियों की सूची सचिव व पंचायत मित्र द्वारा तैयार की गई थी। आरोप है कि कुछ अपात्र लोगों को सूची में शामिल करने तथा गरीब परिवारों के नाम काटने के लिए पंचायत मित्र द्वारा कथित रूप से 5 से 10 हजार रुपये तक लिए गए हैं। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि गांव के कई गरीब, दिव्यांग, बीमार और जरूरतमंद परिवार योजना के पात्र होने के बावजूद सूची से बाहर कर दिए गए हैं। शिकायतकर्ता ने मामले को गरीबों के हक पर कुठाराघात बताते हुए पूरी सूची की निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिवदास ने जिलाधिकारी से मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन कराने, पात्र और अपात्र लाभार्थियों की जांच करने तथा रिश्वत लेकर जोड़े गए कथित फर्जी नामों को निरस्त कर वास्तविक पात्र परिवारों को योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। उन्होंने दोषी पाए जाने पर सचिव व पंचायत मित्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है।



पंचनद धाम और शुगर मिल जैसे मुद्दे हर चुनाव में चर्चा में आते हैं, लेकिन अब तक इनका स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

व्यापार और रोजगार के लिहाज से क्षेत्र की स्थिति कमजोर है। यदि इटावा की सीमा से जालौन को बेहतर फोरलेन संपर्क मिलता है और क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ती हैं तो माधौगढ़ की आर्थिक तस्वीर बदल सकती है। माधौगढ़ में इस बार भी विकास बनाम जातीय समीकरण के बीच मतदाताओं का रुख चुनाव की दिशा तय कर सकता है।

उरई-जालौन : सत्ता की हैदिक या बदलाव की दस्तक

221 उरई-जालौन (सु.) विधानसभा जिले की सदर सीट है, लेकिन जिला मुख्यालय होने के बावजूद उरई को अपेक्षित औद्योगिक और शैक्षिक विकास नहीं मिल सका है। 4,46,928 मतदाताओं वाली इस आरक्षित सीट पर ओबीसी मतदाताओं की संख्या करीब 1.29 लाख और अनुसूचित जाति मतदाताओं की संख्या

माधौगढ़ में बंदरों का आतंक, 9 वर्षीय बच्चे को काटकर किया घायल



कारण अभिभावक अपने बच्चों को अकेले घर से बाहर भेजने में भी डरने लगे हैं। नगरवासियों का कहना है कि बंदरों की समस्या काफी समय से बनी हुई है, लेकिन अब स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। कई बार बंदर लोगों का पीछा कर उन्हें घायल कर चुके हैं। इसके बावजूद समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। लोगों ने संबंधित विभाग और नगर

प्रशासन से मांग की है कि बंदरों को पकड़ने के लिए शीघ्र अभियान चलाया जाए तथा उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। नगरवासियों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई कर बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।



उरई (जालौन)। विकासखंड डकोर की ग्राम पंचायत बरहा जालौन में जर्जर विद्युत तारों और टूटे-क्षतिग्रस्त खंभों के कारण ग्रामीणों में हादसे की आशंका बनी हुई है। ग्राम प्रधान एवं जिला पंचायत प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर विद्युत व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के खेतों और रिहायशी इलाकों के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार लंबे समय से जर्जर हालत में हैं। कई स्थानों पर विद्युत खंभे क्षतिग्रस्त होकर टूटे पड़े हैं, जिससे आए दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है। वर्तमान में खेतों में धान की फसल तैयार खड़ी है और कुछ ही दिनों में फसल पककर कटाई के योग्य हो जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि खुले एवं जर्जर तारों से अक्सर स्पाकिंग होती है, जिससे सूखी फसल में आग लगने का गंभीर खतरा बना हुआ है। यदि समय रहते विद्युत व्यवस्था ठीक नहीं की गई तो किसानों की महीनों की मेहनत और फसल आग की भेंट चढ़ सकती है।

पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी से अतिशीघ्र जर्जर विद्युत तारों को हटवाकर उनके स्थान पर बंच केबल (एबी केबल) डलवाने तथा टूटे और क्षतिग्रस्त विद्युत खंभों को बदलवाकर नए खंभे लगवाने के लिए संबंधित विद्युत विभाग को निर्देशित करने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने कहा कि विद्युत व्यवस्था सुरक्षित होने से किसानों की फसल के साथ ही ग्रामीणों की जान-माल की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में रिश्वतखोरी का आरोप, डीएम से जांच की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कालपी तहसील क्षेत्र के ग्राम चुर्छी निवासी शिवदास पुत्र स्व. हरदयाल ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की पात्रता सूची में कथित गड़बड़ी और रिश्वतखोरी की जांच कराने की मांग की है।

शिवदास ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत चर्छी में ग्रामीण आवास योजना के पात्र लाभार्थियों की सूची सचिव व पंचायत मित्र द्वारा तैयार की गई थी। आरोप है कि कुछ अपात्र लोगों को सूची में शामिल करने तथा गरीब परिवारों के नाम काटने के लिए पंचायत मित्र द्वारा कथित रूप से 5 से 10 हजार रुपये तक लिए गए हैं। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि गांव के कई गरीब, दिव्यांग, बीमार और जरूरतमंद परिवार योजना के पात्र होने के बावजूद सूची से बाहर कर दिए गए हैं। शिकायतकर्ता ने मामले को गरीबों के हक पर कुठाराघात बताते हुए पूरी सूची की निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिवदास ने जिलाधिकारी से मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन कराने, पात्र और अपात्र लाभार्थियों की जांच करने तथा रिश्वत लेकर जोड़े गए कथित फर्जी नामों को निरस्त कर वास्तविक पात्र परिवारों को योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। उन्होंने दोषी पाए जाने पर सचिव व पंचायत मित्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है।



करीब 1.15 लाख बताई जाती है। सामान्य वर्ग, मुस्लिम और वैश्य मतदाता भी चुनावी परिणामों पर प्रभाव डालते हैं। 2022 में भाजपा के गौरीशंकर वर्मा ने 1,28,644 वोट हासिल कर सपा के पूर्व मंत्री दयाशंकर वर्मा को 37,648 वोटों के अंतर से पराजित किया था। उरई का औद्योगिक क्षेत्र भी क्षेत्र की आर्थिक चुनौतियों का प्रतीक बन चुका है। उद्योगों के भरुआ-सुमेरपुर में स्थानांतरित होने से रोजगार का संकट बढ़ा है। उच्च शिक्षा और बेहतर रोजगार के लिए युवाओं को कानपुर सहित दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। सपा शासनकाल में मेडिकल कॉलेज की स्थापना को क्षेत्र के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी माना गया, लेकिन भाजपा के कार्यकाल में ऐसा कोई बड़ा स्थानीय प्रोजेक्ट सामने नहीं आया जिसे लेकर राजनीतिक रूप से व्यापक चर्चा हो। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा उरई-जालौन में लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपना दबदबा कायम रख पाएगी, या विपक्ष बदले हुए राजनीतिक माहौल में यहां संघ लगा पाएगा ?

तीन सीटें, तीन अलग समीकरण



माधौगढ़ रामपुरा। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड रामपुरा के ब्लॉक कार्यालय परिसर में शिक्षा विभाग की ओर से विशेष स्टॉल लगाया गया। स्टॉल के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, शिक्षा विभाग की उपलब्धियों तथा परिषदीय विद्यालयों में संचालित विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी आमजन को दी गई।

स्टॉल पर निपुण भारत मिशन, आधारभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान (एफएएएलएन), विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, विद्यालयों में उपलब्ध कराई जा रही शैक्षिक सुविधाओं तथा शिक्षण कार्य में किए जा रहे नवाचारों से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की गई। इसके साथ ही बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालयों में किस जा रहे प्रयासों के बारे में भी लोगों को बताया गया। शिक्षकों ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ बच्चों की भाषा एवं गणितीय दक्षता को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गतिविधि आधारित शिक्षण और विभिन्न नवाचारों के माध्यम से बच्चों को सरल एवं रुचिकर तरीके से पढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। विद्यालयों में खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा अन्य गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर भी जोर दिया जा रहा है। अभियान के दौरान स्टॉल पर केपीएस रामपुरा के शिक्षक मनीष राज, प्राथमिक विद्यालय टीहर के शिक्षक सोनवीर सिंह तथा कंपोजिट विद्यालय कस्बा के शिक्षक मनोज कुमार मौजूद रहे। उन्होंने स्टॉल पर पहुंचे लोगों को शिक्षा विभाग की योजनाओं, उपलब्धियों और विद्यालयों में संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

नाला निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल, चंद दिनों में आई दरारें



माधौगढ़ (जालौन)। नगर पंचायत माधौगढ़ द्वारा ब्लॉक कार्यालय के पास कराया जा रहा नाला निर्माण कार्य गुणवत्ता को लेकर सवाल के घेरे में आ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि करोड़ों रुपये की लागत से कराए जा रहे निर्माण में मानकों की अनदेखी की जा रही है। निर्माण कार्य पूरा हुए कुछ ही समय बीता है और नाले में जगह-जगह दरारें दिखाई देने लगी हैं, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नाला निर्माण में निर्धारित मानकों के अनुरूप सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। निर्माण कार्य की तकनीकी गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का आरोप है कि यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुसार कराया गया होता तो इतनी कम अवधि में नाले में दरारें नहीं आतीं। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार और अनियमितता के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। लोगों ने मांग की है कि निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए और मौके पर इस्तेमाल की गई सामग्री तथा निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराई जाए। स्थानीय लोगों के अनुसार मामले में एक भाजपा नेता की भूमिका को लेकर भी आरोप लगाए जा रहे हैं, लेकिन इन आरोपों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। लोगों का कहना है कि सरकारी धन से कराए जा रहे विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना जरूरी है। वहीं क्षेत्रीय सभासद अरविंद सिंह ध्रुव की ओर से मामले में जल्द कार्रवाई कराए जाने की बात कही गई है। सभासद का कहना है कि नाला निर्माण की स्थिति को अधिकारियों के संज्ञान में लाकर जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रयास किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी जालौन और नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों से नाला निर्माण की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जांच में निर्माण कार्य में अनियमितता या मानकों की अनदेखी सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाए तथा नाले की मरम्मत निर्धारित मानकों के अनुसार कराई जाए।

ईशा, श्रीशंकर और गुलवीर ने भारत को दिलाए सिल्वर मेडल



विश्या ने ब्रॉन्ज किया अपने नाम

जगेश्वर

विश्या रामराज ने महिलाओं को 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीता। विश्या ने 54.75 सेकेंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता और महान थायिका पीटी उपा के चार दशक से अधिक पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। उनका मैजुल खेलों में यह दूसरा पदक है। वह इससे पहले चार गुणा 400 मीटर मिश्रित तिले स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थी। कोयंबटूर की 28 वर्षीय विश्या संयुक्त अरब अमिरात की मरियम करीम और कजाखस्तान की एडेलिना जेम्स के बाद तीसरे स्थान पर रही। मरियम ने 54.31 सेकेंड के खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि एडेलिना ने 54.58 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ रजत पदक हासिल किया। विश्या ने उपा के 1984 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में बनाए 55.42 सेकेंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। विश्या ने स्पर्धा के बाद कहा, 'पदक हमारा हाथ में है लेकिन समय हमारे हाथ में नहीं होता। यह दौड़ न तो कल होगी और न ही बोले कल हूँ थी। आज हमारा दिन था इसलिए मेरा ध्यान पदक पर नहीं बलिक समय पर था।' उन्होंने कहा, 'मेरे कोच ने कहा था कि हम 54 सेकेंड का समय निकालेंगे।



गुलवीर ने दौड़ में जीता दूसरा पदक

जगेश्वर

युवा निशानेबाज ईशा सिंह, लंबी दूरी के धाक गुलवीर सिंह और लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर ने एशियाई खेलों में सोमवार को भारत की झोली में रजत पदक डाले हालांकि स्वर्णपदक सफलता के करीब पहुंचकर चुकने का सिल्वरसिना जारी रहा। भारत के नाम पर अभी भी चार स्वर्ण पदक ही दर्ज हैं। इसके अलावा उसने 19 रजत और 20 कांस्य पदक सहित कुल 43 पदक हासिल कर लिए हैं और वह पदक तालिका में 12वें स्थान पर है। चीन 130 स्वर्ण, 53 रजत और 45 कांस्य सहित कुल 228 पदक जीतकर शीर्ष पर बना हुआ है। पहले ही 10000 मीटर में रजत पदक जीत चुके गुलवीर ने पुरुषों की 1500 मीटर प्रतिस्पर्धा में



3:36.72 सेकेंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ एक और रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले 21 वर्षीय निशानेबाज ईशा ने पांच शूट-ऑफ में से गुजरने के बाद रजत पदक जीता। श्रीशंकर ने लंबी कूद में हांगझो खेलों का अपना रजत पदक बरकरार रखा। उन्होंने दूसरी प्रयास में 8.07 मीटर की कूद लगाई लेकिन चौथे प्रयास में टक्कने में चोट लगने के कारण आखिरी दो प्रयास नहीं कर सके।

भारत ने बांग्लादेश को हराया, अब सामना पाकिस्तान से

काकागिगहारा। कपड़न हरमनजीत सिंह को टैट्टिक को समय से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भारी बारिश के बीच पूरा प के अखिरी मैच में बांग्लादेश को 10-0 से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की और अब सेमीफाइनल में। जस्टिफ को समाना पाकिस्तान से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में मलेशिया को टक्कर दक्षिण कोरिया से होगी। भारत के लिए कप्तान हरमनजीत (27वीं, 40वीं और 42वां मिनेट) ने 3 जवाबक शिफतक लाकर (44वां और 49वां) ने 2 गोल किए। अमिथ (1 गोल मिनेट) सुमराज सिंह (22वां), मुकजीत सिंह (32वां) उजय (59वां) और सवाई सिंह (60वां) ने एक-एक गोल डबा। भारत के



इज्जत पहले इंग्लैंडिया को 11-1, दक्षिण कोरिया को 8-2, सिंगापुर को 7-0 और जापान को 2-0 से हराया था।

चार गुणा 100 मीटर मिश्रित तिले टीम फाइनल में



भारत को चार गुणा 100 मीटर मिश्रित तिले टीम ने एशियाई खेलों में सोमवार को दूसरी हॉट में दूसरा स्थान खसित कर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। सुप्रिन्तेंडर सिंह, अक्षय राजराज, अमिथ कुजु और हरित भूष को चौकड़े ने 41.54 सेकेंड का समय रिकार्ड और चीन (41.52) से पीछे रखी। भारतीय टीम ने हॉट में कुल बिनासुर हाईलेड और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रहने हुए फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की।

पुरुष क्रिकेट : सेमीफाइनल में भारत

जगेश्वर। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को खराब मौसम के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ एशियाई खेलों का क्वाटर फाइनल रद्द होने के बाद मैदान पर उठते किंग डी सेमीफाइनल में पहुंच गई। गाा टैट्टिक भारत ने आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शीर्ष स्थान पर होने के कारण अंतिम चार में जगह रखाई, जबकि अफगानिस्तान 10वें जगह पर है। भारत का अन्तमा मनामना को यहां मैदान और श्रीलंका के बीच होने वाले क्वाटर फाइनल के किनारे से होगा।



खबर संक्षेप



राजस्थान रेंजर्स टीम की ब्रांड दूत बनीं सानिया

मुंबई। किंग टैनिस् प्रीमियर लीग (टीपीएल) के आठवें सत्र से पहले राजस्थान रेंजर्स टीम को आरएपीएल समूह ने खरीद लिया है और भारतीय टैनिस् स्टार सानिया मिर्जा इस टीम की ब्रांड दूत होंगी। पिछले सत्र में सेमीफाइनल तक पहुंची इस टीम के जर्जर स्वास्थ्य और क्लेनेस क्षेत्र में कार्याल आरएपीएल समूह ने खेलों में पहला कदम रखा है। सानिया ने टीम से जुड़ने पर कहा, ' मैं ऐसी टीम के साथ जुड़कर बहुत खुश हूं, जो प्रतियोगिता और कई सोच योग्य का सम्मान करती है। भारतीय टैनिस् को वैजनाबद और दीर्घकालिन निवेश को जरूरत है और यही इस टीम का मजबूत है।' आरएपीएल समूह के प्रबंधन निदेशक सलीम दीवान, अध्यक्ष सतादी दीवान और उपाध्यक्ष जेनु राणा अब टीम का प्रबंधन देखेंगे जबकि आस्ट्रेलियाई टैनिस् स्टार लिकी रिगीफाता अंतरराष्ट्रीय मल्लो खिलाड़ी के तौर पर शामिल होंगे।

एशियाई खेलों से बाहर होने से आहत हुई सिंधू नागोया।। पौवी सिंधू एशियाई खेलों से निराशाजनक तरीके से बाहर होने के बाद आहत हैं लेकिन इस हार के दर्द ने उनके कुछ और हासिल करने के संकल्प को और मजबूत कर दिया है। सिंधू ने अपनी कमियों पर काम करने का वादा करते हुए कहा कि ' एक निराशाजनक नतीजा उस सफर को परिभाषित नहीं कर सकता, जो मेरे लिए इतना महत्व रखता है।' सिंधू का अभियान रविवार को चीन को चैन यूफेड के खिलाफ क्वाटर फाइनल में हार के साथ समाप्त हुआ। सिंधू ने 'एक्स' पर लिखा, ' इसे शायद मैं बर्बाद करने के लिए मुझे थोड़ा समय चाहिए था। मेरा एशियाई खेलों का अभियान समाप्त हो गया है और मैं आहत हूं। क्वाटर फाइनल में मुकाबला अपने पक्ष में करने से मैं तीन अंक दूरी थी। मैं बार-बार अपनी तीन अंकों के बारे में सोच रही हूं।

17 साल के लक्ष्य ने पार किया 247 गेंद में 200 रन का आंकड़ा

राजकोट

लक्ष्य रायचंदानी ने जुलाई से यूथ टेस्ट में तीन मैच खेले हैं और तीनों में शतक बनाए हैं। भारत के युवा बल्लेबाज लक्ष रायचंदानी का अंडर 19 टीम के लिए शानदार खेल जारी है। उन्होंने 28 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ पहले यूथ टेस्ट में शतक बनाया। लक्ष रायचंदानी का यह इस टीम के खिलाफ लगातार दूसरा शतक है। उन्होंने पांच दिन पहले यूथ कनडे में भी सैकड़ा बनाया था और नाबंद 110 रन को पार कर चुकी थी। लक्ष्य दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दोहरा शतक लगा चुके थे। उन्होंने 247 गेंद में 200 रन का आंकड़ा पार किया।



पहला टेस्ट : भारत अंडर 19 ने ऑस्ट्रेलिया पर बनाई बढ़त

लक्ष्य ने 196 गेंद में पूरे किए 150 रन

लक्ष्य ने पहले यूथ टेस्ट के दूसरे दिन पारी का अग्रज करते हुए 139 गेंद में 12 चौकों व दो छक्कों से 100 रन का आंकड़ा पार किया। उनकी पारी के दम पर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के पहली पारी के स्कोर से आगे निकलने में सफल रहे। लक्ष्य ने बाद में 196 गेंद में 150 रन पूरे किए। उन्होंने शतकीय पारी के दौरान कप्तान रायचंदानी चौहान (54) के साथ तीसरे विकेट के लिए 124 रन की साझेदारी की। फिर निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर भारतीय टीम को 300 के पार पहुंचा दिया। लक्ष्य ने छठे विकेट के लिए यानस कुम्भा (25) के साथ 45, सातवें विकेट के लिए अयान अकरम (26) के साथ 51 रन जुटाए।

पाकिस्तान दूर से बाहर हुए धाकड़ बल्लेबाज बटलर

नई दिल्ली

जोस बटलर के लिए चोट ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं और इसका असर इंग्लैंड की अने वाली बड़ी सीरीज पर पड़ सकता है। श्रीलंका के खिलाफ मैच में हैमस्ट्रिंग चोट होने के बाद बटलर पाकिस्तान में होने वाली वनडे ट्राई सीरीज से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकलम के मुताबिक बटलर का अक्टूबर में पाकिस्तान दौरे पर

लौटना संभव नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया के क्वाटर-गोल दौरे पर भी उनके खेलने की संभावना बेहद कम बताई जा रही है। बटलर को श्रीलंका के खिलाफ 24 सितंबर को हेडिंगले में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले के दौरान हैमस्ट्रिंग में पेशानी हुई थी। चोट लगने के बाद का पहले रिपोर्ट हर्ट हुए, हालांकि कुछ समय बाद दोबारा बल्लेबाजी के लिए मैदान पर लौटे थे।

मेस्सी का हैरतअंगेज गोल फ्री किक में किया कमाल



कोलंबस। हालांकि, मेस्सी के गोल के चक्कर उनको टीम हार टाल नहीं सकी। कोलंबस क्रू ने मैच के 28वें मिनट में पेनल्टी के जरिए पहला गोल कर बढ़त बना ली। हालांकि, इंटर मियामी ने सिर्फ 5 मिनट बाद शानदार वापसी की। कप्तान लियोनेल मेस्सी ने मैदान के दाहिने कोर से मुश्किल ऐंगल पर मिली फ्री-किक को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

मेस्सी ने दावा सीजन का 21वां गोल

मेस्सी का यह सीजन का 21वां गोल था। इसके जगह ही उन्होंने 2026 एमएलएस गेम्स का दौड़ जीतने में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। दूसरे हाफ में इंटर मियामी की ओर से एक खिलाड़ी ने गोल किया। हालां ही ने टीम से जुड़े क्लबों के किंग टैनिस् प्रीमियर लीग 73वें मिनेट में फाइनल क्लब को जगह मैदान पर उतारे और काफ के लिए अन्तमा पहला गोल डबा। मैच के अखिरी पल में कोलंबस क्रू ने स्ट्रेचिंग टाइम में गोल करके हार में 2-1 पर बढ़त बढ़ाई और जीत दर्ज की। इस हार के बावजूद इंटर मियामी का इस एमएलएस रेगुलर सीजन में प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। टीम ने 12 जीत, पांच हार और 10 ड्रा के जग 46 अंक जुटाए हैं। इसी के साथ वह इंटरवें कॉन्फेरेन्स की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर बनी हुई है। मैजुल एमएलएस फ्लोरिडा ओर्ल्ड और नैशविल क्यू फिरेल लियोनेल मेस्सी इस सीजन शताब्दी गोल में हैं।

अपने ही कप्तान से भिड़े डिकॉक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में बवाल

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज के दूसरे मैच में विक्टोरन डिकॉक अपने टीम के कप्तान टेम्बा बावुम्बा से भिड़ गए। उन्होंने एक डीआरएस के फैसले को लेकर बहस कर ली। दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस का वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दक्षिण अफ्रीका गेंदबाज विलियम्स की गेंद बॉटलेट के पैड पर लगी थी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका टीम अपील कर रही थी। अंततः ने अड्ड नहीं दिया तो विक्टोरन डिकॉक चिल्लाते लगे। डिकॉक का खिलाता टेम्बा बावुम्बा को पसंद नहीं आया।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज नहीं खेलेंगे लुंगी एनगिडी साउथ अफ्रीका स्क्वाड का ऐलान, नॉर्खिया टीम में शामिल

जोहान्सबर्ग

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों को टेस्ट सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका ने प्रारंभिक स्क्वाड की घोषणा कर दी है। इसमें एनरिक नॉर्खिया का नाम शामिल है, जो मार्च 2023 से टेस्ट नहीं खेलें हैं। कश्मीर स्क्वाड का भी पचन हुआ है, लेकिन उनकी उल्लंघना पर संशय है। वह ग्रुप 1 अक्टूबर को डरबन में एकजु होना, जहां 9 अक्टूबर से सीरीज शुरू होगी। रकबा के अलावा लुंगी एनगिडी, क्वेना मफनर, ओटोनील बाटमैन और लुंगी सिगल्ला सभी हैमस्ट्रिंग को चोट से जुड़ रहे हैं।



है। इसके कारण उनका चयन नहीं हुआ है। स्क्वाड और नॉर्खिया के अलावा प्रारंभिक स्क्वाड में कॉर्बिन बोश, ग्रेगलड कोरजी, मार्को यानसेन, क्वान मुल्डर और डेन

फैरसन चुने गए हैं। कोरजी ने नवंबर 2024 के बाद से टेस्ट नहीं खेला है। डेवाल्ड कोरस भी बाहर है। एकरमैन का पहला बार चयन टीम में सिर्फ एक अर्न्केड खिलाड़ी टॉप-ऑर्डर के बल्लेबाज मर्केस एकरमैन हैं, जिन्होंने साउथ अफ्रीका ए के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वह टॉप तीन में जगह बनाने के लिए टोनी डी जेओजी, रिस्टन स्ट्यम और मुल्डर को टक्कर देंगे। हालांकि सर्वो को देखते हुए एकरमैन उनसे आगे निकल सकते हैं।

यूनान के खिलाड़ी कुर्बेलिस ने किया इकलौता गोल, स्टेडियम में पसरा सन्नाटा

नेशंस लीग: यूनान ने जर्मनी को हराकर किया उलटफेर

लंदन। विभिन्न कुर्बेलिस के गोल की बदौलत यूनान ने नेशंस लीग फुटबॉल में जर्मनी को उसके घरेलू मैदान पर 1-0 से हराकर उलटफेर किया। जर्मन क्लॉप के कोच बनने के बाद जर्मनी की यह पहली हार है। यूनान के स्थानापन्न खिलाड़ी कुर्बेलिस ने 74वें मिनट में एक इकलौता गोल किया, जिससे ऑक्सबर्ग में स्टेडियम के अंदर सन्नाटा पसर गया। क्लॉप के मार्गदर्शन में जर्मनी ने गुरुवार को अपने पहले मैच में नीदरलैंड्स के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला था। यूनान के खिलाफ जर्मनी ने पहले हाफ में दबदबा बनाए रखा लेकिन दूसरे हाफ में

ब्रेटमान टीम ने आक्रामक रुख अपनाया और कुर्बेलिस ने गोल कर घरेलू दर्शकों को स्तब्ध कर दिया। जर्मनी अब गुरुवार को म्यूनिख में सर्बिया का सामना करेगा।



पुर्तगाल ने नॉर्वे को उसके घर में दी मात विजयज सिटिकको रॉबल्लो को स्पाइराज्ज सिनडिगे की खुशी में रहन छुड़ लेकिन पुर्तगाल ने नॉर्वे को उसके घर में 2-1 से हराया। ओस्लो में खेले गए मैच में जोआओ पेसिन्हा ने एकरमर दूसरे मैच में गोल करके हार पुर्तगाल को 17वें मिनेट में बढ़त दिलाई। नॉर्वे के किंगज एडिनस हालाल ने कई गोलें खाए, लेकिन 55वें मिनेट में अतिरिक्त क्लब की गोल कर दिया। यह गोल के लिए 57 गोलों में उनका 65वां गोल था। रॉबल्लो की जगह खेल रहे नॉर्वे की स्लोस ने तीसरे मिनेट खड़े हुए पुर्तगाल को फिर बढ़त दिला दी। उन्होंने नॉर्वे के विल्लोपूर ओजोब गोर्गंड के जगह पर दो गोल में गेल्डर गोल किया।



स्त्री के स्वतंत्र-सशक्त अस्तित्व के समर्थक महात्मा गांधी

आवरण कथा
डॉ. मणिमता शर्मा

महात्मा गांधी हमेशा समाज का उत्थान और समानता का परिवेश बनाने के इच्छुक रहे। समाज के हर नागरिक को सुरक्षा और मान, यह बात उनके विचारों में प्रमुखता से रही। यह दृष्टिकोण हर तरह से महिलाओं की बेंहरी और भागीदारी बढ़ाने से भी जुड़ा है। वही वजह है, बियों को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचार आज के समय में भी प्रासंगिक हैं। असमानता, असुरक्षा और हिंस के परिवेश में न केवल महिलाओं से जुड़े उनके विचारों को समझने की दक़ार है बल्कि स्वयं बियों के सशक्तिकरण में भी उनके सार्थक विचार दिशा दे सकते हैं। स्त्री मन से भाव-चाव को सम्मान देने के हिमायती बापू के सचिवचारी में बियों की पीड़ा और आशाओं को भी जगह मिली है। गांधी जी का कहना था कि महिलाओं के बिना सभ्य समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह महत्वपूर्ण कथन पूरी मानवता को धामने की बुनिबाद बनाने की बात लिए है।

लैंगिक भेदभाव का विरोध

महात्मा गांधी के विचार महिला-पुरुष के बीच भेदभाव के बिल्कुल खिलाफ थे। वे लैंगिक भेदभाव को समाज का बंटवारा करने वाले बर्तों की तरह देखते थे। असल में बापू सदा से ही सर्वोच्च यानी समग्र विकास को संच को लेकर आगे बढ़े। 'युनिवर्सल अन्रिफ़रमेंट' के इस विचार में पूरे समाज की उन्नति की बात की गई। उनका सभी का कल्याण और सभी की तरक्की का विचार अग्रिम रहा। इसीलिए बापू का मानना था 'महिला और पुरुष के बीच कोई भेद नहीं समझा जाना चाहिए, वे सिर्फ़ शारीरिक लै पर एक-दूसरे से भिन्न हैं।' तत्कालीनक यह है कि उनके इस विचार से आधा बदलाव आज तक नाकाफी है। समाज में महिलाएं कई तरह के भेदभाव का शिकार हो रही हैं। जरूरी है कि उनके समानता को बल देने वाले इस प्रेरक विचार को समग्र समाज समझे और अपनाए। बापू के शब्दों में 'पत्नी, पति की कुलाय नहीं, बल्कि एक साथी और मददगार है, जो उसके सुख-दुख में बराबर की भागीदार होने के साथ-साथ पति के समान ही अपने हस्ते स्वयं चुनने के लिए भी स्वतंत्र है।' हालांकि हमारे संविधान में भी महिलाओं को पुरुषों के समान ही अधिकार दिए गए हैं, लेकिन सच यह भी है कि इस दिशा में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। घर हो या बाहर, महिलाओं को हर जगह आज भी दायम दर्जे

पर ही रखा जाता है। बहुत-सी महिलाएं अपने मानवीय हक हानित करने को संघर्ष कर रही हैं। स्त्री होने भर से बहुत तकलीफें उनके हिस्से हैं। जबकि महात्मा गांधी सदा से ही घर-परिवार और समाज में समानता की स्थितियां बनाने के पक्षधर रहे हैं।

हर मोर्चे पर अहम भूमिका

महात्मा गांधी ने बियों को हर मामले में सकला घना है। उनकी हिम्मत को सराहा है। इसीलिए बापू ने प्रश्न किया कि नाग्रियों का संसार केवल घर तक ही सीमित क्यों? असल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने बरसों पहले ही रूढ़िवादी समाज में महिलाओं को घुटन को महसूस कर लिया था। बियों के मन और जीवन की बंदिशों को जान लिया था। बापू चाहते थे कि



हर स्त्री अपना जीवन संपूर्णता से लिए। बापू मानते थे कि देश के राजनीतिक, अर्थिक और सामाजिक उत्थान में महिलाओं की अहम भूमिका है। उन्हें इस दिशा में आगे आना चाहिए। बापू ने इस बात की पुष्टि वक़ालत की कि महिलाओं को सिर्फ़ घरेलू-घौके तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए।

सहशिक्षा के समर्थक

महात्मा गांधी सहशिक्षा के भी समर्थक थे। उनका मानना था कि लड़के-लड़कियों को साथ पढ़ने और मिलने-जुलने का मौका देना चाहिए। वे लड़कियों को तालों में बंद रखने में विश्वास नहीं करते थे। शायद सही वजह थी कि बापू ने महिलाओं से देश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने का भी आग्रह किया था। बापू के ये विचार हज़ने वर्षों बीत जाने के बाद हमें इस बात की वाद दिलाते हैं कि उन्होंने हमेशा महिलाओं को असहाय की छवि से न केवल बाहर निकालने की कोशिश की बल्कि उनमें सामाजिक विषमताओं और विद्वेषताओं से लड़ने की आरागादी सोच को भी काफी जागृत किया।

विशेष : गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

महत्ता गांधी का मानना था कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। वे सिर्फ़ ऐसा मानते ही नहीं थे, स्त्री-पुरुष में भेदभाव के भी विरोधी थे। उनका कहना था कि महिलाएं हर तरह के कार्य करने में सक्षम हैं। वे यह भी मानते थे कि देश-समाज को बेहतर बनाने के लिए महिलाओं को भी आगे आना होगा।

कुरीतियों के खिलाफ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचार रूढ़िवादी सोच के विरुद्ध रहे। उनका कहना था, 'केवल राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं है। सामाजिक बुराइयों और कुरीतियों से भी समाज का मुक्त होना जरूरी है।' असल में पुरातनपंथी विचार समाज में नकारात्मकता भरते हैं। सामाजिक-परिवारिक सिस्टम को भीतर से खोखला करते हैं। खासकर महिलाओं के लिए तो रूढ़ियां, सड्डन जीवन में भी बचा बन जाती हैं। ऐसे में गांधीजी का मानना था कि जब तक सामाजिक कुरीतियों का खात्मा नहीं हो जाता, महिलाओं के जीवन में सुधार लाने के प्रयास सरकल नहीं हो सकते। दहेज प्रथा को समाप्त करना ही होगा। विवाह में एकमात्र सम्मानजनक आधार परस्पर प्रेम और परस्पर स्वीकृति होती है। समाज में प्रचलित कुरीतियों के खिलाफ भी अपनी आवाज उठाई ताकि महिलाओं के शोषण को रोका जा सके। बापू बाल विवाह और पर्दा प्रथा के भी विरुद्ध रहे। विधवा पुनर्विवाह को खुलकर समर्थन दिया। उनके अनुसार 'किसी भी समाज की कुरीतियां तब तक समाप्त नहीं हो सकती, जब तक देश के युवा सामने न आए।' देखने में भी आया है कि बहुत से बदलाव युवाओं की प्रेरकता से ही आए हैं। गांधी जी का यह भी कहना था कि स्वयं महिलाएं कुरीतियों से निजात पाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस दौर में ये विचार न केवल प्रासंगिक बल्कि व्यावहारिक भी हैं। बस जरूरत इस बात कि है, इन बुराइयों का प्रतिकार करने की क्षमता विकसित करें।

नैतिक सामर्थ्य में आगे स्त्री

महात्मा गांधी का कहना था, 'यदि शक्ति का मतलब नैतिक बल है, तो स्त्री, पुरुष से श्रेष्ठ है।' बापू का विजन मानवीय मूल्यों के मामले में बिल्कुल स्पष्ट रहा। उन्होंने महिलाओं को अधिक मर्यादित और नैतिक माना। वे महिलाओं के अधिकारों के तो पैरोकार रहे ही, उनकी सार्थक अनुभूतियों की सरहना भी करते थे। महात्मा गांधी ने कहा था, 'स्त्री अहिंसा का अवतार है। जिसका अर्थ ही अगाध प्रेम और सहनशीलता है।' मां के रूप में एक स्त्री को इस क्षमता और गुणों को देखा जा सकता है। साथ ही परिवार और समाज के लिए भी महिलाओं का समर्पण कम नहीं होता। महिलाओं को जीवन को हर पवित्र एवं धार्मिक धरोहर की मुख्य संरक्षक मानने वाले महात्मा गांधी स्वयं भी उनके प्रति बहुत संवेदनशील रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में भी महिला लीडरशिप को महत्व देने वाले बापू का मानना था कि संसार को विनाश से बचाकर सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलना है, तो महिलाओं को अपने नैतिक बल को पहचानकर समाज को नेतृत्व करना होगा।

उरई (जालौन) बुधवार 30 सितम्बर 2026

7

विशेष : अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस, 1 अक्टूबर

तकनीक आज कई बुजुर्गों के लिए अकेलेपन का साथी बन गया है। वीडियो कॉल और सोशल मीडिया उन्हें अपनों से जोड़े रखते हैं, लेकिन इससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर भी पड़ता है। बुजुर्गों को डिजिटल सपोर्ट के साथ अपनेपन का एहसास देना भी जरूरी है।

डिजिटल सपोर्ट के साथ ही बुजुर्गों को दें अपनेपन का एहसास

दाखित
अरुण 'सोनी'

आज डिजिटल दुनिया ने हम सब के जीवन को बदल कर रख दिया है। यह बदलाव बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के जीवन में देखने को मिलता है। इसमें कोई शक नहीं कि तकनीक के इस्तेमाल ने बुजुर्गों के जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान और अपने से जोड़ दिया है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से वे अपने से दूर रहने वाले परिवार से जुड़े रह सकते हैं, अपना समय भी असानी से बिता सकते हैं। अपनों के साथ वॉयस कॉल, वीडियो कॉल, मैसेज, सब कुछ बस एक क्लिक में उन्हें मिल जाता है। देखा जाए, तो बुजुर्गों के अकेलेपन का साथ बन गया है स्मार्टफोन। लेकिन यह सुविधा धीरे-धीरे एक निर्भरता में बदलती जा रही है, जो उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर डाल रही है।

स्त्री का साथ पर अपने से दूरी: वैश्विक रिपोर्ट्स के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत बुजुर्ग आज घर में अकेलेपन का अनुभव करते हैं। उनमें से 60 प्रतिशत से अधिक वृद्ध नागरिक प्रतिदिन 3-5 घंटे स्त्री पर बिताते हैं। तकनीक ने बुजुर्गों को दुनिया से दौभाग जोड़ जरूरी है, लेकिन यह एक नई तरह की 'डिजिटल दुविधा' का युग भी है, जहां साथ होते हुए भी अकेलापन गहरा होता जा रहा है, जो उन्हें कई तरह से प्रभावित करता है। अकेलेपन में तकनीक का बढ़ता सहारा: बढ़ती उम्र के साथ जब सामाजिक दायरा सीमित हो जाता है और अकेलापन बढ़ता है, तब तकनीक एक सहारा बनकर सामने आती है। जब बुजुर्गों को अपने बच्चों के साथ दूरी बढ़ जाती है, तब उनके लिए समय काटना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वे स्वाभाविक रूप से डिजिटल माध्यमों की ओर आकर्षित होते हैं। मोबाइल फोन उनके लिए न केवल समय बिताने का साधन बनता है, बल्कि एक तरह का भावनात्मक सहारा भी बन जाता है। हालांकि यह जुड़ाव अधिकतर आभासी होता है, जिसमें वास्तविक बातचीत और आत्मीयता की कमी रहती है। परिणाम स्वरूप, अकेलापन कम होने के बजाय कई बार और गहरा हो जाता है।



स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव: बुजुर्गों में उग्र आधारित स्वास्थ्य समस्याएं पहले से चल रही होती हैं। फिर लगातार स्क्रीन देखने से आंखों पर दबाव बढ़ता है, जिससे सुझापन, जलन, धुंधलापन और रिसर्द जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसके साथ ही, मोबाइल से निकलने वाली ब्लू लाइट, नींद के चक्र को प्रभावित करती है, जिससे नींद का समय और इसकी गुणवत्ता घट जाती है। मानसिक स्तर पर भी इसका असर दिखई देता है, जैसे चिड़चिड़ापन, एकाग्रता में कमी और धीरे-धीरे सामाजिक गतिविधियों में रूचि का कम होना। संतुलित उपयोग है जरूरी: तकनीक से पूरी तरह दूरी बनाना संभव नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसका उपयोग सीमित और उद्देश्यपूर्ण हो। जिसके लिए एक नियमित दिनचर्या बनाना, स्क्रीन टाइम



तय करना, परिवार के साथ समय बिताना और ऑफलाइन गतिविधियों जैसे टहलना, पढ़ना या वागवानी में भाग लेना, इस संतुलन को बनाए रखने में सहायक हो सकता है। फैमिली मेंबर्स की भूमिका महत्वपूर्ण: परिवार के सदस्यों का फर्ज बनता है कि वे अपने बुजुर्गों को वास्तविक संवाद और साथ का अनुभव कराएं। विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीक का संतुलित उपयोग जरूरी है, अन्यथा यह बुजुर्गों के जीवन में जुड़ाव को जगह अलगाव को बढ़ा सकती है। तकनीक दुविधा का माध्यम है, जीवन का केंद्र नहीं। इसलिए आवश्यक है कि बुजुर्गों के जीवन में डिजिटल और वास्तविक दुनिया के बीच संतुलन बना रहे। यह समझना जरूरी है कि बुजुर्गों को तकनीक के सपोर्ट के साथ अपने का समय और साथ भी चाहिए।

सलाह
पैक

बीते दिनें राजधानी दिल्ली में से स्टेड नोएडा में एक तीन साल का बच्चा फ्लैट की 12वीं मॉडल की बालकनी से गिर गया। कुर्सी पर चढ़कर खेलेते हुए मासूम का संतुलन बिगड़ने से यह दर्दनाक हादसा हुआ। घटना के कतार भी उसे छोड़कर अपने दूसरे बच्चे को दृष्टान से लेने गई थी। या जब यह तब छोटा बच्चा घर में से रहा था। मां के जाने के बाद बच्चा जाय गया और खेलते-खेलते बालकनी तक पहुंच गया। वहां रखी कुर्सी पर चढ़कर वह नीचे देखने लगा। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और वह दुःखद हादसा हुआ।

जरूरी है नेबरहुड का सहयोगी परिवेश: असल में यह दुर्घटना बीते दौर में मिलने वाले आस-पड़ोस के सड़ने-सहारे की याद दिलाती है। कुछ समय के लिए छोटे बच्चों को संभाल लेने वाले उस पड़ोसी परिवेश का महत्व समझती हैं, जब बच्चों की परिवार के मामले में सहायक हुआ करता था। थोड़ी-बहुत देर के लिए तो आस-पास रहने वाले बड़े-बुजुर्ग भी बच्चों की सुरक्षा के सजोदार बन जाते थे। अब रीते जुड़ाव को सामने रखते हादसे में उस सहज से सड़ने से भिन्नने वाले खास संबल की याद दिलाते हैं। छोटे छोटे परिवारों के इस दौर में नेबरहुड के सहयोगी परिवेश को बनाए रखना आवश्यक है।

मेल-मिलाप बनाए रखें: सहज मेल-मिलाप के बिना आस-पड़ोस में मदद नहीं मांगी जा सकती। ना ही कोई पड़ोसी खुद मदद का हाथ आगे बढ़ा सकता है। आपसी बातचीत के बिना सहयोगी माहौल नहीं बन सकता। इसीलिए आस-पड़ोस से जुड़ाव रखने के लिए छोटी-छोटी पहल दोनों ओर से ही होनी चाहिए। मिलने पर अभिवादन करना और संवाद का सिलसिला शुरू करना

आधुनिक जौवनशैली में तहानगरी में लोग आस-पड़ोस से कम वास्ता रखते हैं। समाज में इस तरह अपनेपन का रिश्ता ना होने से कई तरह के कष्टकारी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए हमें अपने आस-पड़ोस से जुड़ाव रखना चाहिए।

आस-पड़ोस का जुड़ाव है हमारे लिए बड़ा संबल



चाहिए। फेन नंबर शेयर करें। पर्व-उत्सव पर मिठाइयां बांटे। मिलकर त्योहार मनाएं। जरूरी नहीं कि आस-पड़ोस में बसे लोगों के हास-हाल लेने का काम किसी घटना के होने या परेशानी में फंसने के बाद करें, रोजमर्रा में भी एक-दूजे के हालचाल लेते रहें। भेलजेल का यही धरातल जरूरत के समय पर मदद मांगने और करने की सहजता देता है। पड़ोसी के सहयोगी बनें: कितनी ही घटनाओं को लेकर स्पष्ट महसूस होता है कि थोड़ी-सी सहायता से मुसीबत टल सकती थी। किसी दुर्घटना से बचा जा सकता था। किसी बच्चे या बुजुर्ग के लिए सुरक्षा का घेरा बनाना जा सकता था। ध्यान रहे कि सामाजिक परिवेश में सतर्कता, सावधानी और सहयोग से ही बहुत-सी तकलीफदेह घटनाओं को रोका जा सकता है। इसीलिए आस-पड़ोस के परिवार न केवल मजबूत और सुरक्षित सामाजिक माहौल बनाएं, बल्कि संकट के समय मदद के लिए भी तैयार रहें। साझे जीवन की सामुदायिक भावना

को बल दें। नए शिकट होने वाले लोगों से खुर आगे बढ़कर बात करें। उनसे बेहिचक मदद मांगने को कहें। आस-पड़ोस में आ बसे नए परिवार को उस एरिया के बारे में जानकारी दें। मोहल्ले या सोसाइटी में उत्कृष्ट सुविधाओं की चर्चा करते हुए उन्हें असुरक्षा से जुड़ी किसी बात के लिए भी सचेत करना चाहिए। औपचारिकता की अति से बचें: बदलती जौवनशैली के इस दौर में अचानक जरूरत आने पर साथ देने वाले पड़ोसियों के संग भी अब अपनापन नहीं रहा। एक समय था जब भारतीय परिवेश में पड़ोस को भी परिवार माना जाता था। बाहर जाने पर घर का ध्यान रखने, थोड़े समय के लिए बच्चे-बुजुर्ग को संभाल लेने या हारी-बीमारी में सहयता के लिए परिजन से पहले पड़ोसी ही पहुंचते थे। अब औपचारिकता इस अपनेपन को लौल गई है। ऐसे में खास समाज में रहने-जीने की सोच को बल देना होगा। ताकि न मदद मांगने में हिचक हो न हेल्प करने में कोई संकोच।

हेयर केयर
स्नेहा सिंह

आजकल की व्यस्त जौवनशैली में प्रदूषण, धूल-मिट्टी, खान-पान और कैमिकल युक्त फ़ूड्स के अत्यधिक उपयोग के कारण बाल कमजोर हो जाते हैं। इसके कारण बालों का झड़ना, बेजान होना, असमय सफेद होना और डैंड्रफ होना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बालों की प्राकृतिक चमक और मजबूती वापस पाने के लिए होममेड हेयर पैक कारगर हो सकते हैं। केला-शहद का हेयर पैक: यदि आपके बाल बहुत सूखे (ड्राय), रफ और बेजान हो गए हैं, तो केला और शहद का हेयर पैक आपके लिए बहुत यूजफुल है। केले में पोटीयम, प्राकृतिक तेल और व्हिर्मिस होते हैं, जो बालों को टूटने से रोकते हैं। जबकि शहद एक प्राकृतिक हाइड्रेट (नमी बनाए रखने वाला) है, जो हवा से नमी को

यूज करें ये होममेड हेयर पैक आपके बाल बनेंगे शाइनी-स्ट्रॉन्ग

सोखकर बालों में लंबे समय तक बनाए रखता है।

इस पैक को बनाने के लिए एक पका हुआ केला लें और उसे चम्मच या ब्लेंडर की मदद से अच्छी तरह मैश कर लें, ताकि उसमें कोई गांठ न रहे। अब इस पेस्ट में एक बड़ी चम्मच शुद्ध शहद और एक चम्मच नारियल का तेल मिलाकर बहिया मिश्रण तैयार करें। इस हेयर पैक को बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक समान रूप से लगाएं। इसे 40 से 45 मिनट के लिए बालों में लप रहने दें और फिर



गुनगुने पानी और माइल्ड शैंपू से बालों को धो लें। इससे बाल शाइनी बनते हैं। मेथी-दही का हेयर पैक: मेथी के दाने बालों का झड़ना रोकने के लिए सदियों से इस्तेमाल किया जाता रहा है। मेथी में प्रोटीन और निकोटिनिक एसिड होता है, जो बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है और फालाक बहिया मिश्रण तैयार करें। इस हेयर पैक को बालों की त्वचा (स्कैलर) को साफ रखता है। इस पैक को बनने के लिए तीन बड़ी

मेडिकल एडवाइस

डॉ. विकास कटारिया
सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट
सेनी कैसिली हॉस्पिटल, दिल्ली

बदलती जौवनशैली ने पुरुषों के समान महिलाओं के लिए भी हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ा दिया है। कभी बढ़ती उम्र की महिलाओं में अधिक दिखने वाली हार्ट डिजीज अब कम उम्र में भी दस्तक दे रही है। हालांकि, जागरूकता, नियमित जांच और समय रीते जौवनशैली में बदलाव करके हृदय रोग के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

क्या है कारण: अमेरिकी लाइफस्टाइल, अमेरिकी फूड हैबिट्स और फैमिली हिस्ट्री इसके मूल कारण होते हैं, जिससे हाइपरटेंशन, कोलेस्ट्रॉल लेवल का बढ़ना, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी समस्याएं होती हैं। इनके अलावा महिलाओं में हृदय रोग के कुछ जोखिम कारक पुरुषों से अलग होते हैं। गर्भवस्था में होने वाली जटिलताएं जैसे- ग्री-एक्लेम्पसिया, गर्भावधि मधुमेह (जेस्टेशनल डायबिटीज) और सुक्स-पूर्व प्रसव भीख में हृदय रोग के खतरों को बढ़ा देते हैं। समय से पहले रजोनिवृत्ति (प्रीमैच्योर मेनोपॉज), पॉलीसिस्टिक ओवररी सिंड्रोम (पीसीओएस) तथा ल्यूपस व स्मेटाइट

हार्ट डिजीज का रिस्क सिर्फ पुरुषों या वृद्ध महिलाओं को ही नहीं होता, ऐसे में लक्षणों को पहचानना और समय रहते सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। वर्ल्ड हार्ट डे (29 सितंबर) के मौके पर हम बता रहे हैं, किस तरह आप अपने हार्ट की प्रॉफेक्ट कर सकती हैं?

हेल्दी हार्ट के लिए करें रेग्युलर-प्रॉपर केयर



करकर माने गए हैं। क्या होते हैं लक्षण: महिलाओं में हार्ट अटैक होने पर केवल तेज सोने का दर्द ही दिखई दे, यह जरूरी नहीं। महिलाओं में संस फूलना, मिर्कली या उल्टी, अत्यधिक थकान, फीट या जबड़े में दर्द, अत्यधिक कमजोरी या ठंडा पसीना आए, बेचैनी जैसे लक्षण अपेक्षाकृत अधिक दिखई दे सकते हैं। सीने के बीच में दर्द या दबाव, हाथ या कंधे में दर्द, सांस लेने में परेशानी, ठंडा पसीना, चक्कर या बेहोशी भी चेतावनी संकेत हो सकते हैं। इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हार्ट अटैक को आशंका में तत्काल आपात चिकित्सा सहायता लेना जरूरी है। ऐसे में हार्ट केयर: दिल को स्वस्थ रखने की शुरुआत छोटी-छोटी आदतों से होती है। परिवार को देखभाल करने वाली महिला को अपनी सेहत की देखभाल को भी उतनी ही प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि स्वस्थ दिल



केवल लंबी उम्र ही नहीं, बल्कि बेहतर जौवन की नींव भी है। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं: एक सही दिनचर्या हेल्थ की मजबूत नींव होती है। सेकेंडहैंड रिफ़ का पालन करें। रात को समय पर सोएं, समय पर खाना खाएं। रेग्युलर हेल्थ चेकअप कराती रहें। संतुलित आहार का करें सेवन: अधिक नमक, चीनी और ट्रांस-फैट वाले खाद्य पदार्थों से बचें। आहार में फल, सब्जियां, सदाबहार, दालें और स्वस्थ चर्मा शामिल करें। चाय-कॉफी का अत्यधिक सेवन और पैकेज्ड/जंक फूड हृदय पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। इनसे बचें। तनाव प्रबंधन पर ध्यान दें: योग, ध्यान, पर्याप्त नींद और अपनों से भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखना मानसिक तनाव को कम करता है। प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ में बैलेंस बनाकर चलें।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

सुखनई नदी में बड़ा हादसा, नहाने गए पांच लोगों की डूबने से मौत

(यंग भारत न्यूज)
झांसी । मऊरानीपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। रानीपुर चौकी क्षेत्र के देवरी सिंहपुरा गांव में सुखनई नदी में नहाने गए पांच लोग डूब गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पहले दो व्यक्ति नदी में डूबने लगे। उन्हें बचाने के प्रयास में तीन अन्य लोग भी नदी में उतर गए और देखते ही देखते पांचों पानी में समा गए।
काफी प्रयास के बाद पांचों को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। शवों को निकालकर मऊरानीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने पांचों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।
मृतक सभी एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मल्लखंभ चैम्पियनशिप का ताज गुजरात के नाम

झांसी में अखिल भारतीय आमंत्रण मल्लखंभ प्रतियोगिता का समापन, चार आयु वर्गों में गुजरात का शानदार प्रदर्शन

(यंग भारत न्यूज)
झांसी । उत्तर प्रदेश के झांसी में 27 से 29 सितम्बर तक आयोजित स्वर्णीय सीताराम गुप्ता स्मृति अखिल भारतीय आमंत्रण मल्लखंभ प्रतियोगिता के अंतिम दिन गुजरात के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल टीम चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। गुजरात ने चार आयु वर्गों में से दो वर्गों की टीम चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते।
गुजरात के पुरुष खिलाड़ियों ने अंडर-18 आयु वर्ग में स्वर्ण तथा अंडर-14 में कांस्य पदक हासिल किया, जबकि गुजरात की महिला खिलाड़ियों ने अंडर-14 में स्वर्ण और अंडर-16 में रजत पदक प्राप्त कर टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम ने भी तीन आयु वर्गों की टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक हासिल किया।
समापन समारोह-समापन सत्र के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी श्री रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड़ ने कहा कि ‘यह झांसी के लिए गौरव की बात है कि 23 साल बाद राष्ट्रीय स्तर की यह प्रतियोगिता झांसी में आयोजित की गई।
यह संस्थान ‘सीखो-सिखाओ’ की पद्धति पर काम करता है और व्यायाम व जिमनास्टिक के क्षेत्र में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार कर रहा है, जो गौरव का विषय है।’ इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक व्यापारी नेता संजय पटवारी ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की पृष्ठभूमि बताते हुए अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम सचिव श्री अशोक गुप्ता ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। तृतीय दिवस के प्रातःकालीन सत्र का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री श्री हरगोविंद सिंह कुशवाहा एवं विधान परिषद सदस्य श्री रामतीर्थ सिंघल ने खिलाड़ियों के बीच उपस्थित होकर उनका उत्साहवर्धन करते हुए दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत श्री सुनील भानु, श्री नारायण दास कुशवाहा, श्री सिद्धार्थ अग्रवाल एवं श्री हरिशंकर कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रतियोगिता समन्वयक श्री केशव कुमार ने किया तथा आभार श्री के.के. गुप्ता ने व्यक्त किया।
प्रतियोगिता परिणाम - टीम चैम्पियनशिप
अंडर-16 बालिका वर्ग

नगर में बंदरों का आतंक,वृद्ध महिला को किया घायल

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई । नगर में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को बंदर ने वृद्ध महिला को काट लिया। परिजन महिला को सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां उसको एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया गया। नगर के लोगों ने बंदरों को पकड़वाने की मांग अधिकारियों से की है। नगर में बंदरों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। नगर के कई मोहल्लों में बंदर लोगों को परेशान करते नजर आते हैं। इन बंदरों को पकड़ने के लिए नगर में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। मंगलवार की दोपहर मोहल्ला जोशियाना निवासी भगवती देवी (60) छत पर कुछ काम कर रही थीं। तभी अचानक से बंदरों को एक झुंड उनकी छत पर आ गया। बंदरों को देखकर महिला डर गई छत से नीचे भी नहीं उतर सकी। तभी एक बंदर अचानक से उनके पास आया और उनके हाथ में काट लिया। महिला के चीखने पर परिजन छत पर पहुंचे और बंदरों के झुंड को किसी तरह भगाया और घायल भगवती को लेकर सीएचसी पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने महिला का प्राथमिक उपचार कर उसे एंटी रेबीज का इंजेक्शन दिया। वहीं बंदरों के आतंक को लेकर नगर के विनय कुमार, सुशील, मनोज, रविंद्र आदि ने कहा कि बंदर लोगों को परेशान करते हैं। यदि उन्हें भगाने का प्रयास करें तो काटने को दौड़ते हैं। उन्होंने अधिकारियों से मांग करते हुए कहा कि नगर में अभियान चलाकर बंदरों को पकड़वाया जाए और उन्हें जंगलों में छोड़वाया जाए।

सामुदायिक शौचालय, पानी की टंकी और आरसीसी सेंटर के आसपास जलभराव

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम कुठौंदा बुजुर्ग में जनसुविधा के लिए बनाए गए सामुदायिक शौचालय, पानी की टंकी और आरसीसी सेंटर के आसपास जलभराव होने से ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। पानी निकासी न होने से परिसर में पानी भरा है और बड़ी-बड़ी घास उग आई है, जिनमें जहरीले कीड़े हो गए हैं। इसके चलते ग्रामीण जनसुविधाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।
ग्रामीण गजेंद्र सिंह सेंगर, जवान सिंह, रामेंद्र कुशवाहा, कृष्ण मोहन सिंह, अतर सिंह, नीरज सिंह, नारायण पंडित, हरि सिंह, दीनदयाल कुशवाहा, शिवम सेंगर, दीपक राजावत, उदयवीर सिंह, जय सिंह आदि ने बताया कि जन सुविधा के लिए गांव में सामुदायिक शौचालय, आरसीसी सेंटर, पानी की टंकी का निर्माण कराया गया था। एक ही परिसर में बने जन सुविधा केंद्र के आसपास पानी भर जाने व बड़ी बड़ी घास खड़ी हो जाने के कारण इनका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि जल निकासी कराई जाए और घास हटवाई जाए, ताकि लोग जनसुविधाओं का लाभ उठा सकें।

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकारपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ ७०0२०.2262०1, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित **प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव** फोन न. +919415055318 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718

सहकार भारती की बैठक में संगठन विस्तार की बनी रूपरेखा, डॉ.संदीप सरावगी को मिली प्रदेश स्तरीय नई जिम्मेदारी

संघर्ष सेवा समिति कार्यालय में हुई अभ्यास वर्ग एवं योजना बैठक, दो दिवसीय अधिवेशन की तैयारियों पर हुआ मंथन

(यंग भारत न्यूज)
झांसी। सहकारिता के क्षेत्र में संगठनात्मक सक्रियता को नई दिशा देने के उद्देश्य से सहकार भारती की झांसी विभाग अभ्यास वर्ग एवं योजना बैठक का आयोजन संघर्ष सेवा समिति कार्यालय में किया गया। बैठक में आगामी दो दिवसीय अधिवेशन की रूपरेखा पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया तथा संगठन को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं।
बैठक में संगठन के का्यों, आगामी कार्यक्रमों तथा विभाग एवं महानगर स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई। इस दौरान झांसी में विभाग एवं महानगर स्तर पर अपेक्षित सक्रियता न होने को लेकर प्रदेश पदाधिकारियों ने नाराजगी जताई। संगठनात्मक कार्यों में निष्क्रिय पाए गए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियों से मुक्त करने का निर्णय लिया गया, वहीं सक्रिय कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपकर संगठन को गति देने पर जोर दिया गया। बैठक में संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ.संदीप सरावगी को सहकार भारती में नई जिम्मेदारी प्रदान करते हुए प्रदेश श्रम प्रकोष्ठ प्रभारी मल्लखंभ प्रथम – मधुमिता, तमिलनाडु तृतीय (संयुक्त) – प्रज्ञा कुर्रे, छत्तीसगढ़ एवं पटेल पाल डिकलेश, गुजरात अंडर-14 बालिका वर्ग : रोप मल्लखंभ प्रथम – मधुमिता, तमिलनाडु द्वितीय – शार्वी पंकज तड़ास, गुजरात तृतीय – मेघना, तमिलनाडु अंडर-14 बालक वर्ग : पोल मल्लखंभ प्रथम – रूद्र राजपूत, गुजरात द्वितीय – यश, हरियाणा तृतीय – गुरतेज सिंह, मध्य प्रदेश अंडर-14 बालक वर्ग : रोप मल्लखंभ प्रथम – गुरतेज सिंह, मध्य प्रदेश द्वितीय – वेदांश कोठार, मध्य प्रदेश तृतीय – मदेश, तमिलनाडु कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री अतुल शर्मा, श्री वीरेंद्र राय, डॉ. सतीश अग्रवाल, डॉ. नीति शास्त्री, श्री ओम प्रकाश कोहली, श्री दीनदयाल मिश्रा, श्री अशोक राय, श्री अंकित राय आदि उपस्थित रहे।



शक्ति उसके सक्रिय कार्यकर्ताओं, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता में निहित होती है। सहकारिता केवल आर्थिक व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग, सामूहिक विकास और आत्मनिर्भर समाज की आधारशिला है। इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठनात्मक गतिविधियों को निरंतर गति देने की आवश्यकता है। बैठक में आगामी दो दिवसीय अधिवेशन के आयोजन को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिवेशन की रूपरेखा, संगठनात्मक दायित्वों, कार्यकर्ताओं की सहभागिता तथा व्यवस्थाओं को लेकर पदाधिकारियों के बीच विचार-विमर्श हुआ। सभी से समन्वय और सक्रियता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया गया। बैठक में प्रदेश महामंत्री सहकार भारती उत्तर प्रदेश अरविंद द्विवेदी, प्रदेश मंत्री एवं प्रभारी झांसी विभाग सतीश चंद्र कठेरिया, प्रदेश सह मीडिया प्रमुख सुशील कुमार, प्रदेश विभाग सहसंयोजक झांसी सर्वेश पटेल, प्रदेश एसएसजी सह प्रमुख गीता त्रिपाठी, प्रदेश जिला सह संगठन प्रमुख

नगर पालिका, राजस्व विभाग और पुलिस टीम के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियानल चलाया

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। नगर में अतिक्रमण की समस्या के चलते अक्सर वाहन चालकों को मुसीबत होती है। देवनगर चौराहा समेत बाजार को आनी वाली सड़क पर नगर पालिका, राजस्व विभाग और पुलिस टीम के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियानल चलाया गया। जिसमें नालियों के आगे कब्जा करके रखे गए सामान को हटाकर उन्हें जवाब दिया गया। नगर में देवनगर चौराहा समेत कांजी कांजी हाउस, तहसील रोड, पानी की टंकी, सब्जी मंडी, झंडा चौराहा के चारों ओर अक्सर दुकानदार दुकानों के बाहर तक अपना सामान फैला लेते हैं। जिससे मुख्य मार्ग संकरा हो जाता है। ऐसी स्थिति में अक्सर नगर में जगह जगह जाम लगता है। कई बार जाम में फंसने वाले वाहन चालकों और दुकानदारों के बीच झड़प हो जाती है। पूर्व में एसडीएम रिंकू सिंह राही द्वारा चलाए गए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान के बाद दुकानदार ने अपना सामान नाली के आगे रखना बंद कर दिया था। लेकिन धीरे धीरे फिर से दुकानदारों ने नाली के आगे सामान रखना शुरू कर दिया। एक दो दुकानदारों के बाद यह



ने सड़कों पर उतरकर अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरुआत की। देवनगर चौराहे से अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरुआत हुई। जहां चौराहे के ठेला ठलियां लेकर खड़े विक्रेताओं को हटाया गया। इसके बाद बंगरा रोड पर नाले पर रखे टिन टप्परों को हटाया गया। बाद में टीम डाकघर होकर तहसील रोड, पानी की टंकी के पास पहुंची।

अहंकार नष्ट कर देते है भगवान - पं.नितिन कृष्ण जी महाराज

(यंग भारत न्यूज)
झांसी – श्री गौड़ बाबा सिद्धाश्रम प्रेमनगर में नारायण सेवा संस्थान उदयपुर के तत्वावधान में आज पंचम दिवस में भागवत महापुराण की कथा श्रवण कराते हुए युवराज पं.नितिन कृष्ण जी महाराज ने गोवर्धन पूजा के प्रसंग की कथा श्रवण कराई और कहा कि गोवर्धन पूजा का प्रसंग भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र के अहंकार को भंग करने और ब्रजवासियों की रक्षा से जुड़ा है। उन्होंने बताया कि भगवान कृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर मूसलाधार वर्षा से सभी ब्रजवासियों की रक्षा की थी। इस घटना के बाद इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ और उन्होंने भगवान कृष्ण से क्षमा मांगी। तभी से गोवर्धन पर्वत और गायों की पूजा की परंपरा आरंभ हुई, जिसे अन्नकूट पर्व के नाम से भी जाना जाता है। व नारायण सेवा संस्थान उदयपुर की ओर से महिम जैन, कैलाश साल्वी, रामजी मीना ने सभी भक्तों का अभिवादन किया उसके पश्चात महिम जैन ने दिव्यांग बच्चों के बारे में बताया और दिव्यांग बच्चों के ऑपरेशन के लिए एवं उनकी देखभाल के लिए जो भी धनराशि सहयोग या किसी भी प्रकार का योगदान करना चाहे तो वह सहयोग कर सकता है उस पर भी विस्तृत चर्चा की साथ ही बताया कि नारायण सेवा संस्थान के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया, संस्थापक चेयरमैन पूज्य कैलाश जी मानव, निदेशक एवं ट्रस्टी देवेन्द्र चौबीसा के द्वारा प्रारंभ से ही दिव्यांगजनों के लिए कई प्रकल्पों एवं सेवा कार्यों को चलाया जा रहा साथ ही दिव्यांग बहुओं को स्वावलंबी बनाने हेतु संस्थान द्वारा कई प्रशिक्षण सेंटर भी चलाए जा रहे हैं। संस्थान का उद्देश्य भूखे को भोजन – बीमार को दवा, यही है नारायण सेवा। तथा आज कार्यक्रम में धर्मगुरु के रूप में आचार्य पं.हरिओम थापक जी महाराज राष्ट्रीय भागवताचार्य एवं ज्योतिषाचार्य, आचार्य पं.राजीव पाठक जी महाराज प्राचार्य श्री सिद्धेश्वर गुरुकुल पीठ आश्रम झांसी उपस्थित रहे व आज भागवत पूजन एवं आरती पं.रवि शर्मा सदर विधायक झांसी, रामतन कुशवाहा सदर विधायक ललितपुर, पं.अनिल सुडेले मुख्य संरक्षक सर्व ब्राह्मण महासभा महासमिति झांसी, पं.मैथलीशरण मुदगिल वरिष्ठ समाजसेवी, रामबाबू यादव नन्ना, गोकुल दुवे, प्रदीप जिज्ञौतिया, शंभू शरण द्विवेदी, राकेश पाठक, वी.के.उपाध्याय, प्रवीण शास्त्री, आलोक शास्त्री, मयंक, हरिओम शास्त्री सहित आदि ने की और कार्यक्रम का संचालन पं.सियारामशरण चतुर्वेदी ने किया अंत में आभार पं.विनोद चतुर्वेदी महाराज ने किया।



- गोवर्धन पूजा प्रकृति की पूजा है - पं.नितिन कृष्ण जी महाराज
- श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ कथा के पांचवे दिन भक्तों ने गोवर्धन प्रसंग की कथा की श्रवण